

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा



स्वतंत्र प्रभात दैनिक अखबार तथा
ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के
लिए संपर्क करें
9511151254

@swatantraprabhatmedia

@swatantramedia

9511151254

epaper.swatantraprabhat.com

@SwatantraPrabhatonline

news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव सीतापुर, हरदोई, शाहजहाँपुर, उन्नाव, हमीरपुर, बाराबंकी, अयोध्या, सुल्तानपुर, अम्बेडकरनगर,
खुले आग घूम रहा नाबालिक छात्रा से छेड़छाइ करने वाला वहसी कामान्दू शिक्षामित्र ...06

लखनऊ, शनिवार, 18 मई 2024

वर्ष 05, अंक 228, पृष्ठ 12, मूल्य: 03 रुपया

www.swatantraprabhat.com

प्रयागराज, बांदा, महोबा, मिर्जापुर, भद्राही, ललितपुर, झारखण्ड, दिल्ली, बिहार, उत्तराखण्ड आदि जनपदों में प्रसारित

जिनपिंग ने पुतिन को गले लगाया, साथ चाय पी...12

जांच के नाम पर खेला जा रहा आंख मिचौली का खेल

● शटडॉउन किसने लिया
लॉग बुक पर बने हस्ताक्षर
अनुसार

कहीं अपने घोंते जे ई और
लाइनगैन को बघाने के लिए
तो नहीं जांच चल रही है कहकर
किया जा रहा लीपापोती का
प्रयास

स्वतंत्र प्रभात

गांव को विद्युत की आपूर्ति की जाती थी। बताते चले की घटना दिनांक 18 फरवरी 2024 की है। जब पूर्व योजित योजना बदल तरीके से जे ई सुधीर कुमार गुप्ता, एसडीओ और अशोक कुमार साह लाइन मैन पक रहा था। उन्होंने सुनील कुमार मौर्य के दुकानों पर से नियमित 11000 विद्युत लाइन का आनंद-फानन में स्थान परिवर्तित कर डाला था। वह भी बिना संवेद और बैरो प्रस्ताव तथा एस्ट्रीमेट के बिना पास कराए थे। पूरी 11000 लाइन का स्थान परिवर्तन कर दिया गया और उक्त लाइन को एस्ट्रेटेल टावर को दी गई प्राइवेट लाइन में जुड़ाकर नियमों के चीथड़े उड़ा कर रख दिए।

इस फौजी बाड़ा का खुलासा होने वाला माला मीडिया में सुविधावाने पर अपनी व अपने चलते जे ई गैरी के गढ़न फसते देख घटना के जिम्मेदार जे ई सुधीर कुमार गुप्ता का स्थानांतरण करते हुए अन ऐपर दोये अशोक कुमार साह लाइनमैन को संजीवी दे दी गई। उक्त माला की धरातलीय पड़ताल करने पहुंची स्वतंत्र प्रभात समाचार पत्र की टीम को माला विद्युत वाहन ग्राम गवाई गई कहानी से लीक उक्त दिवाहाई पड़ा। एस्ट्रीमेट लाइन को बैरो किसी सुनील कुमार यौवं तो दुकानों के ऊपर से नियम 11000 विद्युत लाइन को बैरो किसी सर्वे व प्रस्ताव तथा एस्ट्रीमेट बाला बगेर नियम का नाम पर रखकर बदल दिए जाने के गंभीर आरोप लगाते हुए माला की शिकायत जिला अधिकारी खीरी सहित मुख्यमंत्री के पोर्टफोली पर करके शिकायतकर्ता ने माला की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की है। इतना ही नहीं शिकायतकर्ता ने जे ई व एसडीओ के संरक्षण में उपयोग लाइन को एस्ट्रेटेल टावर के लिए दी गई प्राइवेट लाइन से जोड़ दिये जाने की भी बात कही है। बताया जाता है कि उक्त लाइन से लगाग्न 60 से 70



स्थानांतरित कर दिया गया। लेकिन यह खेल कई प्रश्नों के जम्मे दे गया। क्या उक्त लाइन 11000 लाइन एक आदी बदल सकता है जिवाच आता है नहीं, हर कोई यही कहेगा नहीं बदल सकता है। उक्त लाइन कई लोगों द्वारा बदल कर्ता है। जब लोगों द्वारा बदल गई होंगी तो किस अकेले राशने के विरुद्ध की कार्रवाई क्यों? शटडॉउन किसने लिया यह लाइन बुक पर बने हस्ताक्षर से पास चलता है। तो अशोक की टीम को माला विद्युत वाहन ग्राम गवाई गई कहानी से लीक उक्त लाइन हटाए गए। उक्त लाइन को बैरो किसी दोस्तों को जाकी है। जब लोगों द्वारा बदल कर्ता है तो नहीं जांच चल रही है और अधिकारी बदल तक लोगों द्वारा बदल गई होंगी। तो किस अधिकारी के उत्तराधीन अधिकारी विद्युत के पास भी हूँह नहीं मिल रहे हैं। सभी जिम्मेदारों के पास भी हूँह नहीं मिल रहे हैं। जब लाइन के मालों की जांच चल रही है। कहानी अपने चाहतों को बचाने के लिए तो नहीं जांच के नाम पर किया जाता है। जब लोगों द्वारा बदल तो यह है और अधिकारी बैरो अपने स्टेटमेंट पास करता है। जब लोगों द्वारा बदल रहे हैं तो विद्युत सुधीर कुमार गुप्ता की टीम को बैरो किसी दोस्तों को जाकी है। अधिकारी बदल तक लोगों द्वारा बदल रहे हैं तो एस्ट्रीमेट लाइन हटाए गए। जाने की बात तो बदल ही साथ जे ई सुधीर कुमार गुप्ता को ?100000 नगद देने का गंभीर आरोप भी लगाया जाता है। यह सिद्ध करने को काफी है कि उक्त लाइन जे ई व एसडीओ के संरक्षण व संजान में बदल गई और इसके एवज जे लॉग गैरी के गढ़न समाचारों को बदलते जे ई सुधीर कुमार गुप्ता को बदलते जे ई साहब ने प्रस्ताव व एस्ट्रीमेट पास होने की बात कही थी। और यही बात एसडीओ ने भी कही थी। और अब बैरो प्रस्ताव ब बैरो एस्ट्रीमेट लाइन बदलते जाने की बात बत्तों की जारी है।

अधिकारी बाड़ा का सुधीर कुमार गुप्ता की धरातलीय परिवर्तन करते हुए अन पर दोये अशोक कुमार साह साह लाइनमैन को संजीवी दे दी गई। उक्त माला की धरातलीय पड़ताल करने पहुंची स्वतंत्र प्रभात समाचार पत्र की टीम को माला विद्युत वाहन ग्राम गवाई गई कहानी से लीक उक्त लाइन हटाए गए। उक्त लाइन को बैरो किसी दोस्तों को जाकी है। जब लोगों द्वारा बदल रहे हैं तो एस्ट्रीमेट लाइन हटाए गए। जाने की बात तो बदल ही साथ जे ई सुधीर कुमार गुप्ता को ?100000 नगद देने का गंभीर आरोप भी लगाया जाता है। यह सिद्ध करने को काफी है कि उक्त लाइन जे ई व एसडीओ के संरक्षण व संजान में बदल गई और इसके एवज जे लॉग गैरी के गढ़न सुधीर कुमार गुप्ता को बदलते जे ई साहब ने प्रस्ताव व एस्ट्रीमेट पास होने की बात कही थी। और यही बात एसडीओ ने भी कही थी। और अब बैरो प्रस्ताव ब बैरो एस्ट्रीमेट लाइन बदलते जाने की बात बत्तों की जारी है।

अधिकारी बाड़ा का सुधीर कुमार गुप्ता की धरातलीय परिवर्तन करते हुए अन पर दोये अशोक कुमार साह साह लाइनमैन को संजीवी दे दी गई। उक्त माला की धरातलीय पड़ताल करने पहुंची स्वतंत्र प्रभात समाचार पत्र की टीम को माला विद्युत वाहन ग्राम गवाई गई कहानी से लीक उक्त लाइन हटाए गए। उक्त लाइन को बैरो किसी दोस्तों को जाकी है। जब लोगों द्वारा बदल रहे हैं तो एस्ट्रीमेट लाइन हटाए गए। जाने की बात तो बदल ही साथ जे ई सुधीर कुमार गुप्ता को ?100000 नगद देने का गंभीर आरोप भी लगाया जाता है। यह सिद्ध करने को काफी है कि उक्त लाइन जे ई व एसडीओ के संरक्षण व संजान में बदल गई और इसके एवज की जारी है। जब लोगों द्वारा बदल रहे हैं तो एस्ट्रीमेट लाइन हटाए गए। जाने की बात तो बदल ही साथ जे ई सुधीर कुमार गुप्ता को ?100000 नगद देने का गंभीर आरोप भी लगाया जाता है। यह सिद्ध करने को काफी है कि उक्त लाइन जे ई व एसडीओ के संरक्षण व संजान में बदल गई और इसके एवज जे लॉग गैरी के गढ़न सुधीर कुमार गुप्ता को बदलते जे ई साहब ने प्रस्ताव व एस्ट्रीमेट पास होने की बात कही थी। और यही बात एसडीओ ने भी कही थी। और अब बैरो प्रस्ताव ब बैरो एस्ट्रीमेट लाइन बदलते जाने की बात बत्तों की जारी है।

अधिकारी बाड़ा का सुधीर कुमार गुप्ता की धरातलीय परिवर्तन करते हुए अन पर दोये अशोक कुमार साह साह लाइनमैन को संजीवी दे दी गई। उक्त माला की धरातलीय पड़ताल करने पहुंची स्वतंत्र प्रभात समाचार पत्र की टीम को माला विद्युत वाहन ग्राम गवाई गई कहानी से लीक उक्त लाइन हटाए गए। उक्त लाइन को बैरो किसी दोस्तों को जाकी है। जब लोगों द्वारा बदल रहे हैं तो एस्ट्रीमेट लाइन हटाए गए। जाने की बात तो बदल ही साथ जे ई सुधीर कुमार गुप्ता को ?100000 नगद देने का गंभीर आरोप भी लगाया जाता है। यह सिद्ध करने को काफी है कि उक्त लाइन जे ई व एसडीओ के संरक्षण व संजान में बदल गई और इसके एवज की जारी है। जब लोगों द्वारा बदल रहे हैं तो एस्ट्रीमेट लाइन हटाए गए। जाने की बात तो बदल ही साथ जे ई सुधीर कुमार गुप्ता को ?100000 नगद देने का गंभीर आरोप भी लगाया जाता है। यह सिद्ध करने को काफी है कि उक्त लाइन जे ई व एसडीओ के संरक्षण व संजान में बदल गई और इसके एवज जे लॉग गैरी के गढ़न सुधीर कुमार गुप्ता को बदलते जे ई साहब ने प्रस्ताव व एस्ट्रीमेट पास होने की बात कही थी। और यही बात एसडीओ ने भी कही थी। और अब बैरो प्रस्ताव ब बैरो एस्ट्रीमेट लाइन बदलते जाने की बात बत्तों की जारी है।

अधिकारी बाड़ा का सुधीर कुमार गुप्ता की धरातलीय परिवर्तन करते हुए अन पर दोये अशोक कुमार साह साह लाइनमैन को संजीवी दे दी गई। उक्त माला की धरातलीय पड़ताल करने पहुंची स्वतंत्र प्रभात समाचार पत्र की टीम को माला विद्युत वाहन ग्राम गवाई गई कहानी से लीक उक्त लाइन हटाए गए। उक्त लाइन को बैरो किसी दोस्तों को जाकी है। जब लोगों द्वारा बदल रहे हैं तो एस्ट्रीमेट लाइन हटाए गए। जाने की बात तो बदल ही साथ जे ई सुधीर कुमार गुप्ता को ?100000 नगद देने का गंभीर आरोप भी लगाया जाता है। यह सिद्ध करने को काफी है कि उक्त लाइन जे ई व एसडीओ के संरक्षण व संजान में बदल गई और इसके एवज की जारी है। जब लोगों द्वारा बदल रहे हैं तो एस्ट्रीमेट लाइन हटाए गए। जाने की बात तो बदल ही साथ जे ई सुधीर कुमार गुप्ता को ?100000 नगद देने का गंभीर आरोप भी लगाया जाता है। यह सिद्ध करने को काफी है कि उक्त लाइन जे ई

संक्षिप्त खबरें

पूर्णपुर कोतवाली एस एच ओ संजीव कुमार शुक्ला ने प्रकार को धमकी देने वाले दिलाफ मुकदमा डर्ज किया गया है। अपनी जिले में आप दिन सुनाने को निलंगा की प्रकार को दी गई धमकी है।

सांकेतिक खबरें

झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली राहत, अंतरिम जमानत अर्जी पर अब मंगलवार को होगी सुनवाई

नए शैक्षिक परिदृश्य में कौशल-आधारित शिक्षा को औपचारिक शिक्षा प्रणालियों में एकीकृत करना होगा

नए शैक्षिक परिदृश्य में कौशल-आधारित शिक्षा को औपचारिक शिक्षा प्रणालियों में एकीकृत करना होगा, जिससे सीखने और आजीविका के लिए समग्र ट्रॉट्कोण को बढ़ावा मिलेगा प्रत्येक पीढ़ी अपने द्वारा उपयोग की जने वाली भाषा की शब्दावली में अपना उपयोगदान देती है। शब्दावली वर्तमान भावनाओं और भावनाओं की काल्पनिक अभिव्यक्तियों की समझ का प्रतिनिधित्व करती है, जो कभी-कभी मानव जाति जितनी ही पुराणी होती है। यह गतिशीलत्वम् या समग्रम् % निर्मित्यत्%

यह खुशी, उत्साह से या सरासर %नान्क्षयता% हो सकता है। कभी-कभी गंभीर भावनाएँ शामिल होती हैं और उनका नेतृत्व उस समय का कोई प्रमुख व्यक्ति करता है; वे काल्पनिक महत्व प्राप्त कर लेते हैं। कई लोगों को वह समय याद होगा जब राजीव गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल में भारत सरकार में शिक्षा विभाग को %मानव संसाधन विकास विभाग% घोषित किया गया था और रातोंगत कॉर्पोरेट उद्यमों के कर्मियों के कई विभागों ने अप्रृद्युद को मानव संसाधन विभाग घोषित कर दिया था। संसाधन विकास समीक्षा में कुछ भी नहीं बदला था और दृष्टिकोण भी नहीं बदला था, लेकिन फिर भी फैशन को अपना नया आवरण मिल गया था। जब भी वर्तमान परिदृश्य में कई महत्वपूर्ण व्यक्ति किसी अवधारणा को प्रस्तुत करता है, तो बहुत सारे लोग होते हैं जो उसका अनुसरण करते हैं। इसमें कुछ भी गलत नहीं है, महत्वपूर्ण बात यह समझना है कि मानव स्वभाव कैसे चलता है और उस विशेष समय के बड़े संदर्भ में शब्दों का क्या महत्व है। मूल्य निर्धारण किए बिना विश्लेषण करना सबसे अच्छा है। ऐसा कहने के बाद, कोई भी वर्तमान समय में आसकता है और देख सकता है कि कैसे राष्ट्रीय नियंत्रण में %कौशल% पर वर्तमान व्यवस्था के जोर ने कौशल शब्द को सीखने में फोकस के केंद्र में ला दिया है। कुछ विशेष प्रकार के कौशल निर्माण के लिए डिग्री प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है। कुछ दशक पहले, कौशल इतना सुखद शब्द नहीं था। किसी भी विश्वविद्यालय के बाइस कैसिलर ने %कौशल% में डिग्री की बात नहीं की होगी। शिक्षा को एक %भव्य अवधारणा% माना जाता था, जो वास्तव में है। हालाँकि, कौशल के साथ भ्रम शिक्षा की प्रक्रिया की भवता के



शामिल होना इस स्तर पर मददगार नहीं हो सकता है।

सच तो यह ह कि अब सभी बदल गया है और कौशल ने एक ऊंचे लक्ष्य का स्तर हासिल कर लिया है। जैसा कि पहले उत्तेजित किया गया है, कौशल निर्माण में डिग्री प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है। शायद यह संभव सीखने पर जो देने की मान्यता है। जो कुछ भी क्रियान्वित किया जा सकता है, उसे अब अधिक महत्व दिया जा रहा है। अपने आप में, यह एक अच्छी बात हो भी सकती है और नहीं भी, लेकिन यह बड़े पैमाने पर कार्रवाई को परिचालन के मौर्चे तक सीमित करने की प्रवृत्ति दिखाती है। इसलिए, अवधारणाओं और विचारों की उपेक्षा अनुपातिक है। अपने आप में, विषय वस्तु पर बहस हो सकती है, लेकिन वह, जैसा कि अधिक्वित में कहा गया है, %एक और मामला% ही रहता है। यह अपरिहर्य है और कुछ प्रतिविवेदी की ओर ले जाता है। कौशल अपने आप में महत्वपूर्ण है और शायद रोजमर्याद की बातचीत में इससे जुड़े मूल्य से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। कौशल सभी रिश्तों की नींब है। अगर कोई किसी दूसरे की ओर आकर्षित होता है तो वह केवल उस व्यक्ति की कुशलता के आधार पर होता है। वह कौशल गायन, खाना पकाने, बोलने या नृत्य में हो सकता है और सूची अंतर्हीन हो सकती है। सच तो यह है कि कोई भी व्यक्ति किसी अन्य की ओर आकर्षित नहीं होता, यदि उस व्यक्ति के पास कोई कौशल न हो। यहाँ तक कि माता-पिता भी बच्चे की ओर आकर्षित

(सामाजिक वित्त) माड़-तंत्र का न्याय एक बड़ी सामाजिक विफलता ।

सामूहिक भीड़ का कोई मस्तिष्क हीं होता। उसके द्वारा उन्माद में लिए



गराड़ राज्य के नियत्रण से मुक्त हाकर राज्य के अस्तित्व को चुनौती देने लगती है। और फिर सामने आती है बाल लीचिंग। गराबा किसा भा घटना का भाड़ तत्र की ओर खींचती है, फल स्वरूप मॉब लिचिंग की अनेक घटनाएं सामने आने लगी हैं। दूसरी तरफ कानून का ह। कायपालका तथा न्यायपालिका की लेटलीफी के कारण भीड़ को कानून का भय लगभग समाप्त हो गया है। धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार का स्तर पर दश का साख का गिरावट होती है, एवं आर्थिक क्षेत्र में नियंत्रण पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इसी तरह हिंसक घटनाओं से पलायन त

वर्तमान समाज उपभोक्तावादी हो या है, आजकल सहयोग तथा हिंसुता की भावना तथा समझ गातार कम होते जा रही है। हम की यह मानना है कि न्याय में विलंब न्याय को नकारना है। भारत की न्याय व्यवस्था अपने लंबित मुकदमों तथा प्रकरण के कारण एक तरह से अन्याय को ही जन्म देती है। किसी हत्या कर दी जाती है, यह देश के लिए स्पष्ट उल्लंघन कर किसी विशेष धर्म के लोगों को खानपान तथा व्यंजन के आधार पर कथित लोगों द्वारा किसी भी निशाना बना कर उसकी हत्या कर दी जाती है, यह संसाधनों के विकास पर बाधा पर से सामाजिक तथा आर्थिक क्षमता बढ़ावा मिलता है।

भारत में स्वतंत्रता संग्राम सामूहिक भीड़ के माध्यम से ही ज्ञान

वृत्ति सामने आने लगी है। और माज व्यक्ति केंद्रित विकास की ओर पग्गर हो कर समाज का एक बड़ा बकाविकास के पथ से बहत पीछे बलात्कारी को सजा देने का समय तब आता है, जब आरोपी बहुत बुर्जुर्ग अथवा मर चुका होता है। भीड़ तंत्र अस्थाई रूप से समान अत्यंत दुर्भाग्य जनक है। रही सही कसर सोशल मीडिया पूरा कर रहा है, फर्जी समाचार तथा राजनीतिक नियंत्रण के कारण सोशल मीडिया था, फांस तथा रूस में भी भीड़ द्वारा सकारात्मक भूमिका निभाए अनैतिक तथा अवैधानिक शासन को खत्म किया था। भीड़ तंत्र

ज्यों विकास का वद्य से जुहु पाछे टूट गया है। वस्तुतः एक तरफा श्वेतकरण तथा साधनों के नंदीकरण के कारण गरीबी तथा रोगों जगारी खुलकर सामने आने लगी। भारत के 10% लोगों के पास देश की 58% संपत्ति का स्वामित्व है। एवं इश्वर की पूँजी का 70% भाग 1 प्रतिशत लोगों के अधिकार क्षेत्र में है। यही घारण है कि भारत में भी फांस एवं नाड़ी त्रप्ति जस्ती लोगों की पहचान के साथ जुड़े अलग-अलग समूहों के लोगों का शामिल एक बड़ा समूह है। भीड़ की कोई अपनी आंख शक्ति नहीं होती एवं भीड़ की कोई पहचान भी नहीं होती है। इसके उद्देश्य तत्कालिक होते हैं, यह भी हो सकता है कि भीड़ में जो एक क्षण पहले नायक हुआ करता था, वह अगले ही पल उस सम्ह मूल्यों तथा भावनाओं की पहचान के साथ जुड़े अलग-अलग समूहों के लोगों का शामिल एक बड़ा समूह है। भीड़ की कोई अपनी आंख शक्ति नहीं होती एवं भीड़ की कोई पहचान भी नहीं होती है। इसके उद्देश्य तत्कालिक होते हैं, यह भी हो सकता है कि भीड़ की कोई विशेष वर्ग के द्वारा राजनीतिक संरक्षण में संचालित किया जा रहा है। लोकतंत्र का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा चौथा स्तंभ मीडिया भी जन जागरूकता के प्रचार प्रसार के बजाय घटनाओं को धर्म तथा वर्ग के आधार पर विशेष वर्ग के हितों को प्रचारित प्रसारित करता है, जो इस आदिम कॉल की व्यवस्था को पघित

जगरण है कि भारत में भा कास इव तस की कांति जैसी स्थितियाँ उत्पन्न हो सकती हैं। इस मामले में भारत में वर राज्य की भूमिका अलग-अलग रूप से बदल दिया जाएगा। अब भी यह कास कराया जाता है, परं उस समूह का पीड़ित व्यक्ति भी हो सकता है। इतिहास में इसके कई उदाहरण हैं जहां भी ने अपने नेता को पद से हटाकर आदेश काली का व्यवस्था का तुष्टा पल्लवित करता है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रयोग सामाजिक विकास न्याय के स्थान पर अन्याय नामांकन इव शासन त्रै द्वारा अभियान चलाकर ऐसे लोगों हतोत्साहित कर कठोर कानून बनाये जाएं जिनकी विनाशकीय दोषों से लोगों की जाति का दूर करने की उम्मीद हो।

था भिन्न भिन्न है। भारत को शिक्षा प्रवस्था भी भीड़ तंत्र को काफी अत्साहित कर रही। बैचलर डिग्री तथा उसको विनाश लोता हो रचा दो थो। फ्रांस का शासक रोबेर्पीयर इसका एक बहुत बड़ा उदाहरण है। प्रकृति को तरफ बढ़ता नजर आ रहा है। मॉब लिंचिंग के कारण समाज में आप हिंसा की घटनाएं बढ़ने लगी जाकर भारत को लाकातात्रिंश व्यवस्था तथा प्रजातंत्र की आस जीवित रहेगी।

संपादकीय

छोटे और मझोले अखबार पर संकट



समाचार पत्र समाचार और जनता की बीच की कड़ी है और शायद इसीलिए इसको लोकतंत्र का चौथा स्तर भी माना गया है। समाचार पत्र जनता की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाते हैं और सरकार की योजनाओं को जनता को बताते हैं। हम बात आज उन अखबारों की कर रहे हैं जिनके पास ज्यादा संसाधन नहीं हैं लेकिन वह किसी तरह से अपने समाचार पत्रों का प्रकाशन करते हैं। न ही उनको इन्हें सरकारी विज्ञापन मिल पाते हैं और न ही ग्राफिट विज्ञापन क्यों कि इन सभी पर देश के बड़े मीडिया समूह ने कब्जा कर रखा है। उस पर भी सरकार ने अब समाचार पत्रों पर ऐसे नियम थोप दिए हैं जिनको पूरा कर पाना शायद इन छोटे और मझोले अखबार स्वीकृति के बस की बात नहीं है। क्यों कि उनके पास वह संसाधन नहीं हैं जिससे वह बड़े-बड़े, चार्टर्ड एकाउंटेंट को भारी फीस देकर उसका वित्तीय लेखाकार बना सके। पत्रकारिता एक जुनून है, एक लेखक का मन है जिसको लिखकर वह अपनी बात को शायद सरकार और जनता के पास पहुंचा पाता है।

भारत के समाचार पंजीकृत कार्यालय आरएनआई ने अब एक सेवा पोर्टल जारी किया है जिसके लिए यह सिर्फ़ उन्हीं के लिए उपलब्ध है जिनको उनके लिए लगातार प्रयासरत है। दिल्ली के एक समाचार पत्र के स्वामी ने इन बातों का उल्लेख करते हुए रजिस्ट्रार न्यूज पेपर्स आफ इंडिया को पत्र लिखते हुए कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना के बाद से सभी छोटे समाचारपत्र अपने अस्तित्व के लिए लगातार संघर्षरत है। इधर सरकार का कोई सहयोग मिलना तो दूर लगातार जटिलताएं बढ़ाई जा रही हैं। इन सब कारणों से मैं अपना पाक्षिक समाचार पत्र यथासंभव का टाइटल आपको सुरुद करता हूं क्योंकि ये पेचिदगियां मुझे इसका प्रकाशन जारी रखने की अनुमति नहीं देती। इसलिए हमारे टाइटल को नियस्त कर दिया जाए। यह अन्य समाचार पत्रों के लिए भी अब एक समस्या बन गया है। समाचार पत्र कभी भी सरकार का अहित नहीं करता बल्कि सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का कार्य करता है। जहाँ जनता को समस्याएं आ रही हैं उनकी सूचना सरकार तक पहुंचाने का कार्य करता है। स्वतंत्रता आंदोलन के समय देश में तमाम छोटे और मझोले अखबारों ने बहुत बड़ी भूमिका का निर्वहन किया था। जिसमें एक अखबार कानपुर से स्टारसिन जारी किया गया है।

इसके लिए लागू कर दिया है। जिसमें इस तरह की शर्तें सामने आ गई हैं जिनको छोटे और मझाले अखबारों को पूरा करना मुश्किल हो रहा है। और यदि वह उन शर्तों को पूरा नहीं करता है तो उस अखबार का पंजीकरण रद्द किया जा सकता है। देश भर में हजारों की संख्या में दैनिक, साप्ताहिक, पार्श्विक,

हुये बात यह है कि फिर इन छोटे अखबारों के लिए इस तरह के प्रतिबंध क्यों जो केवल सरकार और जनता के बीच की कड़ी हैं। यह सब क्या बड़े-बड़े माड़िया समूह के इशारों पर हो रहा है। यह सर्वविदित है कि देशभर के सभी छोटे समाचारपत्र व्यवसाय नहीं, जनून और सामाजिक प्रतिबद्धता तथा

प्रकाशित होता था। जिसका पत्रकारिता के पुरोधा गणेश शंकर विद्यार्थी जी ने 'प्रताप' के नाम से शुरू किया था। सरकार और न्यूजपेपर्स आप इडिया को छोटे और मझाले अखबारों के हित में अवश्य ही सोचने की आवश्यकता है ताकि उनका प्रकाशन बंद होने से बच सके।

16 वें लोकसभा चुनाव जीत 2014 में



के सत्ता पर काबिज हुए। पूरा दर्ज माद के करिशमाई व्यक्तित्व एवं मिडिया में उनके प्रचार से इन्हाँ प्रभावित था कि उनके सत्ता संभालने के बाद किसी करिश्मे की आस में बैठा था। जो-जो लोक लुभावने वायदे मोदी ने कुर्सी संभालने से पहले किए थे सब उन्हें पूरा होते देखना चाहते थे। प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले वैश्विक रिटेन्यू संघाने और विदेशी निवेश भारत लाने की आस में ताबड़ोड विदेश यात्राएं आरंभ की। उन्होंने अपने कार्यकाल के आरंभिक ढेढ़ सालों में लाभग 37 देशों की यात्राएं की और अपने 5 साल के कार्यकाल में लाभग 96 देशों की यात्रा की। इनसे पिछले प्रधानमंत्री ममतोहन सिंह ने अपने 10 साल के 2 कार्यकाल के दौरान 93 देशों की यात्राएं की थी और झंदा गांधी ने अपने 15 साल के कार्यकाल के दौरान 113 देशों की यात्राएं की थी। मोदी ने अपने कार्यकाल की शुरुआत स्वच्छ भारत अभियान से की। मोदी सरकार ने 28 अगस्त 2014 को देश की जनता को बैंकिंग से जोड़ने के लिए जन-धन योजना की घोषणा की, इस योजना के तहत 31.31 करोड़ लोगों के खाते खोले गए। उसके बाद उज्ज्वल योजना का आरंभ किया गया। इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब परिवर्षों को मुफ्त में स्ट्रोइंग गैस दी गयी। इनके अलावा और भी बहुत सी नई योजनाओं का आरंभ को नोटबंदी की घोषणा खुद प्रधानमंत्री ने की, चलन में चल रहे 1000 के नोट को बंद कर दिया गया, 500 का पुराना नोट बंद कर 500 का नया नोट लाया गया। 2000 और 200 के नोट अवकरित हुए। बाकि नोट चलन में रहे पर 10, 20, 50, 100 के नए नोटों का रूप-संग भी बदल दिया गया। 1 जुलाई 2017 से देश भर में जी-एसटी लागू किया गया। जी-एसटी लागू करने का पछें मकसद एक देश- एक कर (वन नेशन, वन टैक्स) प्रणाली था। जनवरी 2019 में सर्वांग समुदाय को आर्थिक आधार पर 10 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला किया गया। इसके जरिए सर्वांग समुदाय के लोगों को सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश के लिए आर्थिक आधार पर आरक्षण का लाभ दिया गया। इस बीच देश में महंगाई और बेरोजगारी बहुत बढ़ी। सरकार पर देश के कुछ उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने के आरोप लगे। लोगों में सरकार के प्रति रोध साफ दिखाई देने पर अभिनंदन का खुद का विमान भी क्षतिग्रस्त हो गया और पाकिस्तान की सीमा में जा गिरा पाकिस्तानी सेना ने उन्हें गिरपत्तार कर लिया पर भारतीय दबाव के आगे पाकिस्तान को घुटाएकरे पड़े और कैटन अभिनंदन को स्कुशल भारत को लौटा दिया। पूरे देश में देशभक्ति बंलहर हिलोरे मारने लगी। इस सरकार के कार्यकाल पूर्ण होने के बाद 17वें लोकसभा चुनाव 545 लोकसभा सीटों में से 543 सीटों के लिए 11 अप्रैल 2019 से 19 मई 2019 के बीच 7 चरणों में संचाल हुए। चुनाव वे परिणाम 23 मई को घोषित हुए। जिसमें भारतीय जनता पार्टी ने 303 सीटे जीत प्रचंड बहुमत हासिल किया। भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने 353 सीटें जीतीं। भाजपा 37.36 वोट हासिल किए। जबकि एनडीए का संयुक्त वोट शेयर 60.37 करोड़ वोटों का 45 वा था। कांग्रेस पार्टी ने 52 सीटें जीतीं और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए गठबंधन ने 92

इस सकराके कार्यकाल में हुआ। 2 जनवरी 2016 को पठनकोट एयरफोर्स एयरबेस पर पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के हथियारों से लैप आतंकवादियों ने हमला कर दिया था। लगभग चार दिनों तक चली गोलीबारी में सात सुरक्षाकर्मियों और एक नागरिक की मौत हो गई थी। इस मुठभेड़ में चार हमलावार भी मरे गये थे। 18 सितंबर 2016 को उरी में आतंकियों ने सेना कैंप पर हमला कर दिया। इसमें भारतीय सेना के 19 जवान शहीद हो गए। इस हमले को लेकर पूरे देश में जबर्दस्त आक्रोश देखने को मिला। उरी आतंकी हमले के बाद 28 सितंबर 2016 को भारतीय सेना की स्पेशल फोर्स ने पाकिस्तान के नापाक मंसूबों का मुंतोड़ जवाब देते हुए पाकिस्तान में घुस कर पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकियों के लॉन्च पैटर्स पर हमला किया। 14 फरवरी 2019 को दोपहर करीब 3-00 बजे पाकिस्तान समर्थित आतंकी गुट जैश-ए-मोहम्मद के एक आतंकवादी ने श्रीनगर-जम्मू नेशनल हाईवे पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के काफिले में विस्पोटक भरी कार से टक्कर मार दी। आत्मघाती हमलावार द्वारा सीआरपीएफ के काफिले को निशाना बनाकर किए गए हमले में सीआरपीएफ के करीब 40 जवान शहीद हो गए। इस हमले का सीधा सीधा दोषी पाकिस्तान था। पूरा देश इस घटना के बाद आहत था। हर कोई बदला चाहता था। मोदी सरकार ने पाकिस्तान से बदला लेने और उसे सबक सीखने की यान ली। पुलवामा हमले के तीक 12 दिन बाद 26 फरवरी 2019 को भारतीय एयरफोर्स ने बालाकोट एयरस्ट्राइक करते हुए पाकिस्तान के करीब 300 आतंकी मार पिगाया। सीटें जीतीं। अन्य दलों और उनके गठबंधन ने भारतीय संसद में 97 सीटें जीतीं। 2019 वें चुनावों में मतदाता 911950734 थे और 911950734 मतदान प्रतिशत लागता 67.40 रहा। इन चुनावों में विपक्ष के बड़े बड़े महारथी चुनावों में हार गए पर विपक्ष को सबसे बड़ा झटका अमेठी से लगा जहां यूपीए के प्रधानमंत्री पद वें अधिगत चेहरा राहुल गांधी स्मृति ईशनी रेंज चुनाव हार गए थे। कांग्रेस का गढ़ माने जा रहे अमेठी सीट से भारतीय जनता पार्टी के उमीदवार स्मृति ईशनी ने राहुल को 55 हजार 120 मतों के अंतर से पराजित किया। इन चुनाव में स्मृति को चार लाख 67 हजार 598 मत मिले जबकि कांग्रेस अध्यक्ष को चार लाख 12 हजार 867 मत प्राप्त हुए थे। 2019 वें राहुल गांधी ने दो जगह से चुनाव लड़ा था वह लायराज की सीट जीत संसद पहुंचे। 30 म

<p>कश्मीर में आतंकिय के लान्च पड़स पर हमला कर उहैं पूरी तरह तबाह कर दिया था। इस हमले में 7 आतंकी शिवर नष्ट किए गए। मोदी सरकार के बड़े बदलावों की कोशिश की शुरुआत हुई नोटबंदी से। 8 नवम्बर 2016</p>	<p>पाकिस्तान के बीच 300 आतंकी मार गिराए। 27 फरवरी 2019 को भारतीय हवाई सीमा में घुसपैठ करते पाकिस्तान के विमानों में से एक एफ-16 को भारतीय वायर अभिनन्दन वर्धमान ने अपने विमान से पीछा करते हुए मार गिराया</p>	<p>बायोनाड को साठ जात ससद पहुंच 30 मई 2019 के दिन लगभग 8,000 से अधिक भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय मेहमानों के सामने प्रशान्तमंत्री नोट नोटबंदी ने अपने दूसरे कार्यक्रान्ति के लिए सापथ ग्रहण की।</p>
--	---	--

जिनपिंग ने पुतिन को गले लगाया, साथ चाय पी

● - नाराज अमेरिका बोला- रूस-यूरोप में से एक को चुने चीन, दोनों से दोस्ती नहीं कर सकता

स्वतंत्र प्रभात

रुस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 2 दिन के दौरे पर चीन में हैं। युवराज को चीनिंग में राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उक्सा स्वागत किया। इसके बाद शाम को दोनों देशों ने साथ में चाय पी। पुतिन की चाय का पहला दिन खत्म होने पर जिनपिंग ने उहाँ लें भी लगाया। रुस और चीन दोस्ती दोस्ती से अब अमेरिका नाराज है। अमेरिका ने कहा है कि चीन अपर पश्चिमी देशों के साथ बेहतर रिश्ते बनाने की कोशिश कर रहा है तो वह यूक्रेन जंग में रुस का सर्वानन्हीं कर सकता है। उसे रुस या यूरोप में से एक को चुनना होगा।

अमेरिका के विदेश मंत्रालय के उप-प्रबक्ता वेदांत पटेल ने युवराज को प्रेस ब्रीफिंग में कहा, "यूक्रेन जंग के मामले में अमेरिका, G7, नारो और EU देशों का एक ही पक्ष है। रुस को हथियार देकर चीन न सिफर यूक्रेन की सुख्खा खतरे में डाल रहा है, बल्कि इसे सुख्खा पर भी असर पड़ा। वह यूरोप के सबसे बड़े खतरे को बढ़ावा दे रहा है।"

अमेरिका बोला- जंग का हल निकालना आसान, यूक्रेन से पीछे हट

जाप रुस

यूक्रेन जंग पर बात करते हुए वेदांत पटेल ने कहा, "हमारे नजरिए से इस समस्या का हल बहुत ही आसान है। रुस यूक्रेन से पीछे हट जाए। वह रुसी कब्जे में मौजूद यूक्रेन के क्रीमिया और दूसरे इलाकों को आजाद कर दे। इससे शांतिपूर्ण तरह से मसला हल किया जा सकेगा, लेकिन रुस के राष्ट्रपति पुतिन ने समय-समय पर यह बताया है कि वे शांति के लिए तैयार नहीं हैं।" दूसरी तरफ, चीन ने कहा है कि वह अपने मिलिट्री प्रोडक्ट्स के एक्सपोर्ट को पूरी जिम्मेदारी से संभालता है। अमेरिका को टारपेट करते हुए अपर अपर लगाने संगतिल ने कहा कि हमारे विदेशी देशों से किसी समस्या का हल नहीं किया जाता।

ऐसा इसलिए क्योंकि 1917-22 के दौरान जब रुस में गृह युद्ध चल रहा था, तब हजारों रुसी हाविन शहर ढहने पहुंचे थे। वह खुद उसकी चपेट में आ जाते हैं। रुस-यूक्रेन मसले का हल सिर्फ राजनीतिक समझौते के जरिए ही निकाला जा सकता है।

पुतिन बोले- चीन-रुस भाई जैसे;

जिनपिंग ने गले लगाया

दरअसल पुतिन इस वक्त 2 दिन के दौरे पर चीन गए हुए हैं। युवराज को चीन के चाय देकर अधिकारी ने उहाँ पर अपर अपर लगाने से किसी समस्या का हल नहीं किया जाता।

जिनपिंग ने कहा कि रुस और चीन भाई जैसे हैं। जिनपिंग ने सोचियत कला की धूम के साथ उनका स्वागत किया। प्रेस ब्रीफिंग के बाद दोनों नेताओं ने कहा था कि रुस और चीन की दोस्ती दुर्घाता में डाल रही चायकारी की बीच चिरता लाने का काम करती है। अपने



दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को पुतिन चीन के हाविन शहर पहुंचे। इसे चीन का 'लिटिल मॉस्को' कहा जाता है।

ऐसा इसलिए क्योंकि 1917-22 के दौरान जब रुस में गृह युद्ध चल रहा था, तब हजारों रुसी हाविन शहर ढहने पहुंचे थे। वह खुद उसकी चपेट में आ जाते हैं। रुस-यूक्रेन मसले का हल सिर्फ राजनीतिक समझौते के जरिए ही

पुतिन ने 1940 में जापान के साथ जंग के दौरान यात्रा मारे गए सोचियत सैनिकों को श्रांगजलि दी। जिनपिंग ने उहाँ पर अपर अपर लगाने से किसी समस्या का हल नहीं किया जाता।

पुतिन ने कहा कि रुस और चीन भाई जैसे हैं। जिनपिंग ने कहा कि रुस और चीन भाई जैसे हैं। जिनपिंग ने सोचियत कला की धूम के साथ उनका स्वागत किया। प्रेस ब्रीफिंग के बाद दोनों नेताओं ने कहा था कि रुस और चीन की दोस्ती दुर्घाता में डाल रही चायकारी की बीच चिरता लाने का काम करती है। अपने

चीन के साथ व्यापार बढ़ाकर

अर्थव्यवस्था सुधारना चाहता है रुस

BBC न्यूज के मुताबिक, मॉस्को के टॉप

एनजी ऑफिशियल ने बताया कि इस दौरे में पुतिन का फोकस पारव औफ साइबरिया 2 प्रोजेक्ट के एग्रीमेंट को फाइनल करना है। इस पाइपलाइन के जरिए रुस साइबरिया से मंगोलिया होते हुए चीन को गैस सप्लाई कर सकता। दरअसल, यूक्रेन जंग के बाद से यूरोप को जाने वाली नेचुल गैस की सप्लाई रुकी हुई है। ऐसे में रुस इसे अब चीन भेजना चाहता है।

अपनी यात्रा के दौरान पुतिन का पूरा फोकस चीन के साथ व्यापार बढ़ाने पर है। इसके जरिए वह 3 साल से जंग में शामिल रुस की अर्थव्यवस्था को मतभूत करना चाहता है। दरअसल, यूक्रेन पर हालात के बाद से ज्ञातवात यूरोपीय और पश्चिमी देशों ने रुस के साथ व्यापार रोके रहे हैं। इस बीच रुस और और चीन के बीच ट्रेड में बढ़ोरी दर्ज की गई।

2021 की तुलना में 2023 में दोनों देशों के बीच व्यापार 64 बड़कर 20 लाख करोड़ पर पहुंच गया है। साल 2023 में चीन रुस का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर बन गया।

सांकेतिक खबरें

सप्ताह में एक दिन बच्चों को दूध जुलाई से एमटीएम में

बिहार-जिले के विद्यालय में मध्याह्न भोजन योजना अंतर्गत निर्धारित मेन्यू के अतिरिक्त सप्ताह में एक बच्चों के बीच दूध दिया जाएगा। इस संबंध में नियन्त्रण, मध्याह्न भोजन योजना, विहार पटना मिथिलेश मिश्र ने जिले में केंद्रीयकृत रसोइंड घर चतान रहा। भीमराव अंबेकर दलित उदयन एवं शिक्षा समिति को मध्याह्न भोजन योजना अंतर्गत निर्धारित मेन्यू के अतिरिक्त दूध आपूर्ति करने के संबंध में पत्र जारी किया है। बताया गया है कि मंगलवार को दिन बच्चों को गम तरल दूध दिया जाएगा। वर्ष 1-5 तक के बच्चों के लिए 100 एम एल एवं वर्ग 6-8 तक के बच्चों के लिए 100 एम एल दूध दिया जाएगा। 100 एम एल तरल दूध तैयार करने के लिए 12 ग्राम दुग्ध पाउडर एवं 150 एम एल तरल दूध तैयार करने के लिए 18 ग्राम दुग्ध पाउडर का उपयोग किया जाना है। रुपये संस्थान के स्वास्थ्य के अधिकारी ने कहा है कि विद्यालयों के अधिकारी ने उपयोग करने के लिए अपर पत्र जारी किया है। बताया गया है कि मंगलवार को दिन बच्चों को गम तरल दूध दिया जाएगा। वर्ष 1-5 तक के बच्चों के लिए 100 एम एल एवं वर्ग 6-8 तक के बच्चों के लिए 100 एम एल दूध दिया जाएगा। 100 एम एल तरल दूध तैयार करने के लिए 12 ग्राम दुग्ध पाउडर एवं 150 एम एल तरल दूध तैयार करने के लिए 18 ग्राम दुग्ध पाउडर का उपयोग किया जाना है। रुपये संस्थान के स्वास्थ्य के अधिकारी ने कहा है कि विद्यालयों के अधिकारी ने उपयोग करने के लिए अपर पत्र जारी किया है। बताया गया है कि मंगलवार को दिन बच्चों को गम तरल दूध दिया जाएगा। वर्ष 1-5 तक के बच्चों के लिए 100 एम एल एवं वर्ग 6-8 तक के बच्चों के लिए 100 एम एल दूध दिया जाएगा। 100 एम एल तरल दूध तैयार करने के लिए 12 ग्राम दुग्ध पाउडर एवं 150 एम एल तरल दूध तैयार करने के लिए 18 ग्राम दुग्ध पाउडर का उपयोग किया जाना है। रुपये संस्थान के स्वास्थ्य के अधिकारी ने कहा है कि विद्यालयों के अधिकारी ने उपयोग करने के लिए अपर पत्र जारी किया है। बताया गया है कि मंगलवार को दिन बच्चों को गम तरल दूध दिया जाएगा। वर्ष 1-5 तक के बच्चों के लिए 100 एम एल एवं वर्ग 6-8 तक के बच्चों के लिए 100 एम एल दूध दिया जाएगा। 100 एम एल तरल दूध तैयार करने के लिए 12 ग्राम दुग्ध पाउडर एवं 150 एम एल तरल दूध तैयार करने के लिए 18 ग्राम दुग्ध पाउडर का उपयोग किया जाना है। रुपये संस्थान के स्वास्थ्य के अधिकारी ने कहा है कि विद्यालयों के अधिकारी ने उपयोग करने के लिए अपर पत्र जारी किया है। बताया गया है कि मंगलवार को दिन बच्चों को गम तरल दूध दिया जाएगा। वर्ष 1-5 तक के बच्चों के लिए 100 एम एल एवं वर्ग 6-8 तक के बच्चों के लिए 100 एम एल दूध दिया जाएगा। 100 एम एल तरल दूध तैयार करने के लिए 12 ग्राम दुग्ध पाउडर एवं 150 एम एल तरल दूध तैयार करने के लिए 18 ग्राम दुग्ध पाउडर का उपयोग किया जाना है। रुपये संस्थान के स्वास्थ्य के अधिकारी ने कहा है कि विद्यालयों के अधिकारी ने उपयोग करने के लिए अपर पत्र जारी किया है। बताया गया है कि मंगलवार को दिन बच्चों को गम तरल दूध दिया जाएगा। वर्ष 1-5 तक के बच्चों के लिए 100 एम एल एवं वर्ग 6-8 तक के बच्चों के लिए 100 एम एल दूध दिया जाएगा। 100 एम एल तरल दूध तैयार करने के लिए 12 ग्राम दुग्ध पाउडर एवं 150 एम एल तरल दूध तैयार करने के लिए 18 ग्राम दुग्ध पाउडर का उपयोग किया जाना है। रुपये संस्थान के स्वास्थ्य के अधिकारी ने कहा है कि विद्यालयों के अधिकारी ने उपयोग करने के लिए अपर पत्र जारी किया है। बताया गया है कि मंगलवार को दिन बच्चों को गम तरल दूध दिया जाएगा। वर्ष 1-5 तक के बच्चों के लिए 100 एम एल एवं वर्ग 6-8 तक के बच्चों के लिए 100 एम एल दूध दिया जाएगा। 100 एम एल तरल दूध तैयार करने के लिए 12 ग्राम दुग्ध पाउडर एवं 150 एम एल तरल दूध तैयार करने के लिए 18 ग्राम दुग्ध पाउडर का उपयोग किया जाना है। रुपये संस्थान के स्वास्थ्य के अधिकारी ने कहा है कि विद्यालयों के अधिकारी ने उपयोग करने के लिए अपर पत्र जारी किया है। बताया गया है कि मंगलवार को दिन